प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

ज्ञान सिखाता है चित्त का निरोध करना : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 26 जून, 2010

आचार्य महाश्रमण ने बोध ग्रंथ धम्मपद एवं उत्तराध्ययन पर तुलनात्मक प्रवचन करते हुए श्रीसमवसरण में कहा कि ज्ञान से अमरत्व प्राप्त किया जा सकता है। मृत्यु से मुक्त होने के लिए सम्यक् ज्ञान की अपेक्षा होती है। ज्ञान जैसी पवित्र वस्तु और कोई नहीं है, यथार्थ का बोध जिसके होता है वह वास्तविक ज्ञान हाता है। जो ज्ञान चित्त का निरोध कराना सीखाता है, मन का नियंत्रण करना सीखाता है वह कल्याणकारी होता है।

उन्होंने कहा कि क्षमा वीर का भूषण है, कायर व्यक्ति क्या क्षमा करेगा। जो विष से भरा है वह क्षमा को अंगीकार करता है वह महान होता है।

आचार्य महाश्रमण श्रीसमवसरण में

आचार्य महाश्रमण ने आज किशनलाल नाहटा के निवास पर एक महीन के प्रवास को सम्पन्न कर पुनः श्री समवसरण पधारे। इस दौरान सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने जयकारों के साथ समवसरण में प्रवेश करवाया। जहां आचार्य महाश्रमण ने मुनि सुमेरमल 'सुदर्शन' आदि दीक्षा ज्येष्ठ मुनियों का अभिवादन स्वीकार करने क बाद श्रद्धालुओं को दर्शन दिये। अब 4 जुलाई तक आचार्य महाश्रमण श्रीसमवसरण में प्रवचन गंगा बहायेंगे। 5 जुलाई को मघवा स्मारक एवं 6 से 9 तक पोकरमल बुच्चा के निवास पर प्रवास करेंगे।

शीतल बरड़िया
(मीडिया संयोजक)